राजस्थान पत्रिका
www.rajasthanpatrika.com

September 20, 2016

आयोजन

हिन्दी ने खोले हैं रोजगार के द्वार

हिन्दी और रोजगार विषयक कार्यशाला

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

चेन्नई. स्टैला मारिस कालेज में हिन्दी विभागाध्यक्ष डा. श्रावणी भट्टाचार्य ने कहा हिन्दी ने आज रोजगार के द्वार खोले हैं। हिन्दी सीखकर हम हिन्दी अधिकारी, प्रबंधक, व्याख्याता, अनुवादक, दुभाषिया आदि बन सकते हैं। डबिंग, पत्रकारिता, विज्ञापन तथा फिल्मों में लेखन संबंधी अनेक संभावनाएं हैं। देश में ही नहीं विदेश में भी अपना भविष्य देख सकते हैं।

वे अन्नानगर स्थित वलीयाम्मल महिला महाविद्यालय में हिन्दी दिवस पर आयोजित हिन्दी और रोजगार विषयक कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा स्वतंत्रता प्राप्ति के इतने वर्षों बाद भी हिन्दी राष्ट्रभाषा बनने के लिए संघर्षरत है। छात्रों को यह भ्रम है कि विज्ञान एवं वाणिज्य विषयों की अपेक्षा भाषा अध्ययन में नौकरी के अवसर कम हैं, जबकि यह सच्च नहीं है।

अन्नानगर स्थित वलीयम्माल कालेज में हिन्दी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत करती कालेज की प्राचार्य डा. टीवीएस पद्मजा।

प्राचार्य डा. टीवीएस पद्मजा ने कहा कि तमिलनाडु में हिन्दी के विद्रोही स्वर के बावजूद कालेज में हिन्दी पढ़ने वाले छात्रों की संख्या बढ़ी है। अहिन्दी भाषी छात्र भी अनेक हिन्दी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पुरस्कार जीत रहे हैं।

हिन्दी विभागाध्यक्ष डा. मंजू रुस्तगी ने स्वागत भाषण में कहा शिक्षा का उद्देश्य मात्र नौकरी प्राप्त करना और पैसा कमाना भर रह गया है। विद्यार्थी हिन्दी भाषा का चयन करते हैं सिर्फ परीक्षा पास करने के लिए। वे इस बात से अनभिज्ञ हैं कि हिन्दी भाषा का ज्ञान उन्हें सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्रों में अच्छे वेतन के साथ स्थाई नौकरियां दिला सकता है। कुमारी सरोजिनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन श्रीजला ने किया। कार्यशाला के दौरान छात्राओं के सवालों के जवाब भी दिए गए।